

### Course Outcome

अभिनय कला के सांगोपांग ज्ञान से सम्बन्धित क्षेत्र में व्यावसायिक अवसर की संभावना बनेगी ।

पाठ्य नाटक से पर-हितार्थ सहयोग तथा त्याग-भावना की प्रवृत्ति उदित होगी ।

व्याकरण के अनुशीलन से पदच्छेद, पदों के समास तथा वाक्यों के वाच्य-परिवर्तन की क्षमता निर्मित होगी ।

संस्कृत संभाषण-लेखन का कौशल विकसित होगा ।

### बी.ए. द्वितीय वर्ष

प्रथम प्रश्नपत्र - नाटक, अभिनयकला तथा व्याकरण Paper Code - Y103

पूर्णांक - 60

प्रस्तावित व्याख्यान 90

6 Credit

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान-संख्या
1	नागानन्दनाटकम् अंक - 1,2,3 पर्यन्त (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	20
2	नागानन्दनाटकम् अंक - 4,5 (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	15
3	नाट्यविद्या और रंगकर्म - नाट्य-लक्षण, चतुर्विध अभिनय, कथावस्तु- मुख्य-गौण, रस-प्रकार, नायक-नायिका-भेद । नाट्यशास्त्रीय परिभाषाएँ - नान्दी, सूत्रधार, नेपथ्य, प्रस्तावना, स्वगत, प्रकाश, जनान्तिक, अपवारित, कंचुकी, विदूषक, भरतवाक्य ।	20
4	समास प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)	20
5	वाच्यभेद - कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य	15

*Handwritten signatures and marks:*  
A large signature on the left, a circular stamp with '103' inside, and several other signatures and initials scattered across the bottom of the page.

अनुशंसितग्रन्थ -

1. नागानन्दनाटक - हर्षवर्धन, प्रकाशक - चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी
2. दशरूपकम् - डा. रमाशंकर त्रिपाठी, प्रकाशक - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी - श्रीमहेशसिंहकुशवाहा, प्रकाशक - चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी
4. रचनानुवादकौमुदी - डा. कपिलदेवद्विवेदी, प्रकाशक- विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. अनुवाद चन्द्रिका - डा. यदुनन्दन मिश्र, प्रकाशक - चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली

मूल्यांकन योजना		(अधिकतम अंक 75)
विश्वविद्यालयीन परीक्षा	पाँचों इकाई से पाठ्य-विषय अनुसार विकल्प सहित 12-12 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे। 5 x 12 = 60	60 अंक
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	पाठ्यक्रम सम्बन्धित-परियोजना / असाइनमेंट / पेपर प्रेजेंटेशन / आवधिक परीक्षण 10 अंक इकाई 3 (नाट्यविद्या और रंगकर्म) से मौखिकी 5 अंक	15 अंक

*Handwritten signatures and marks:*  
A large signature on the left, a signature above it, a signature below it, a signature in the middle, a signature on the right, and a signature on the far right.

## Course Outcome

काव्य के दृश्य-श्रव्य आदि भेदोपभेदों का सम्यक् ज्ञान होगा ।  
 विभिन्न ऐतिहासिक वृत्तों की जानकारी प्राप्त होगी ।  
 पाठ्यविषय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से सुपरिचित हो सकेंगे ।  
 नैतिक चिन्तन की क्षमता में अभिवृद्धि होगी और चारित्र्य-विकास होगा ।  
 भारतीय मनीषी तत्त्व-चिन्तकों द्वारा ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में विश्व को प्रदत्त अभूतपूर्व  
 अवदान की जानकारी मिलेगी ।

## बी.ए. द्वितीय वर्ष

द्वितीय प्रश्नपत्र - काव्य, साहित्येतिहास तथा तत्त्वचिन्तक

Paper Code – Y104

पूर्णांक- 60

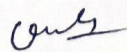
प्रस्तावित व्याख्यान 90

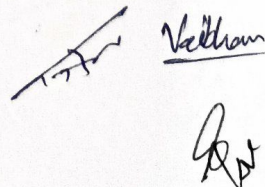
6 Credit

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान-संख्या
1	रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्गः)श्लोक 1 से 40 तक (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	20
2	रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्गः)श्लोक 41से75 तक (व्याख्या तथासमीक्षात्मक प्रश्न)	15
3	नीतिशतकम् (भर्तृहरिकृत) दो श्लोकों की व्याख्या	20
4	नाटक - अभिज्ञानशाकुन्तल, उत्तररामचरित, वेणीसंहार, मुद्राराक्षस, मृच्छकटिक । महाकाव्य- रघुवंश, कुमारसंभव, बुद्धचरित, सौन्दरनन्द, किरातार्जुनीय, भट्टिकाव्य, जानकीहरण, शिशुपालवध, नैषधीयचरित, हरविजय, नवसाहसांकचरित, विक्रमांकदेवचरित । गद्यकाव्य -वासवदत्ता, दशकुमारचरित, कादम्बरी, हर्षचरित, शिवराजविजय । खण्डकाव्य (गीतिकाव्य एवं मुक्तक) - शतकत्रय (भर्तृहरि),	20







 Vallham



	ऋतुसंहार, मेघदूत, अमरुकशतक, गीतगोविन्द, भामिनीविलास, पंचलहरी । चम्पूकाव्य - नलचम्पू, रामायणचम्पू, भारतचम्पू, कथासाहित्य -पंचतंत्र, हितोपदेश, बेतालपंचविंशति, शुकसप्तति, कथासरित्सागर, बृहत्कथामंजरी । (उल्लिखितकृतियोंके रचनाकारोंका सामान्य परिचय अपेक्षित है।)	
5	भारतीय तत्त्वचिन्तक - महर्षि यास्क, आचार्य शंकर, आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, बोधायन, नागार्जुन, भारद्वाज, कौटिल्य, पाणिनि, कणाद, पतंजलि, चरक, सुश्रुत ।	15

अनुशंसितग्रन्थ -

1. रघुवंशमहाकाव्य - कालिदास, प्रकाशक - मोतीलाल बनारसीदास
2. नीतिशतकम् - स्वामी प्रखर प्रज्ञानन्द सरस्वती, प्रकाशक - चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
3. संस्कृतसाहित्यका इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय, प्रकाशक - शारदा मन्दिर, काशी
4. संस्कृतसाहित्यका समीक्षात्मक इतिहास - डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक - रामनारायणलाल विजय कुमार, इलाहाबाद
5. संस्कृतसाहित्यका इतिहास - वाचस्पति गैरोला, प्रकाशक - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

मूल्यांकन योजना		(अधिकतम अंक 75)
विश्वविद्यालयीन परीक्षा	पाँचों इकाई से पाठ्य-विषय अनुसार विकल्प सहित 12-12 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे । 5 x 12 = 60	60 अंक
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	पाठ्यक्रम सम्बन्धित-परियोजना / असाइनमेंट / पेपर प्रेजेटेशन / आवधिक परीक्षण इकाई 3 (नीतिशतकम्) से मौखिकी	15 अंक 10 अंक 5 अंक

*Alkate*  
*Am*

*only*

*Vaibham*

*Am*

*Am*